>

Title : Need to evolve a new mechanism to fix a fair and remunerative price for sugarcane.

श्री राजू शेट्टी (हातकंगले): वर्ष 2010-2011 के लिए सीएसीपी द्वारा घोषित गन्ने के मूल्य 145/- रूपये प्रति क्विंटल को महाराष्ट्र शासन द्वारा ज्यों का त्यों लागू कर महाराष्ट्र के गन्ना किसानों के लिए जैसे एक जबरदस्त वज्रपात कर दिया, क्योंकि यह मूल्य किसानों की गन्ना उपजाने की लागत से भी कम था। फलस्वरूप प्रदेश के किसानों के पास आत्महत्या या आंदोलन दो ही रास्ते थे। परंतु सौभाग्य से किसान जागा और महाराष्ट्र में किसानों का एक अभूतपूर्व आंदोलन खड़ा हुआ जिसके फलस्वरूप महाराष्ट्र सरकार ने 205/-, 185/- और 180/- रूपये प्रति क्विंटल की दर से महाराष्ट्र को विभिन्न जोनों में बांटकर गन्ने की पहली किस्त देने की घोषणा कर दी।

अब महत्वपूर्ण प्रश्न है कि सीएसीपी गन्ने का जो (एफ.आर.पी.) उचित व लाभकारी मूल्य तय करता है वह वास्तविकता से एकदम दूर है। अतः समय आ गया है कि ये संस्थान कृषि मूल्यों का निर्धारण करने में एक आमूलचूल परिवर्तन करे और देश के विभिन्न किसान संगठनों को भी इसमें जोड़कर नयी व्यवस्था से गन्ने के मूल्य का निर्धारण करने का पुनर्विचार करे।

MR. DEPUTY SPEAKER: The House stands adjourned to meet again tomorrow at 11.00 a.m.

12.05 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, November 23, 2011/ Agrahayana 2, 1933 (Saka).

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Not recorded